

भाग 11—वण्ड 3—उप-वण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 834] नई बिल्ली, सोमवार, दिसम्बर 11, 1989/अग्रहायण 20, 1911 No. 834] NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 11, 1989/AGRAHAYANA 20, 1911

इ.स. भाग मैं भिन्न पृष्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिसम्बर, 1989

श्रुद्धि-पव

का. ग्रा. 1025(ग्र).—भारत के राजपव भाग II, खंड 3, उपखंड़ (ii) तारीख 25-7-1989 में प्रक्रांकित अधिसूजना सं. का. आ० 569 (ग्र) के हिन्दी भाठ में खंड (6) में की प्रक्रिट के स्थान भर तिस्विति प्रविद्धि रक्षी भाएगी, कर्नात्— 3541 GI/89

"कैप्टाफोल की केवल बीज हैसर के रूप में प्रयोग में लाग्ना आएगा। जनके पर्णिक फुहार के रूप में पयोग पर पासंकी लगाई जाती है।"

> [सं. 17-115/88-पी. पी. I] विष्णु भगवान, सगुक्त सचित्र (पी. पी. एवस् याई)